भारत ने पिछले मुकाबले में जैसा प्रदर्शन किया था वह सराहनीय था। उसे देखकर मुझे यकीन है कि भारतीय टीम इस बार भी हमें गौरव प्रदान करेगी। - **कपिल देव**

पूर्व भारतीय कप्तान, भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **नीरज चोपड़ा**

13-21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिष्ठित जापान नेशनल स्टेडियम में भारत की सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक प्रतिभा देखने को मिलेगी। पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के गत विजेता नीरज चोपड़ा एक प्रेरित भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे, जिसमें अन्नू रानी जैसे अनुभवी और नए स्प्रिंट सनसनी अनिमेष कुजूर शामिल होंगे, स्प्रिंट, जंप, थ्रो और दूरी की स्पर्धाओं में उम्मीदों के साथ, यह चैंपियनशिप भारतीय एथलेटिक्स के लिए निर्णायक क्षण और नया मील का पत्थर साबित होगी।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट में एशिया कप का आयोजन साल 1984 से हो रहा है और साल 2025 में 17वां एशिया कप चल रहा है।

कुलदीप यादव को मिलेगा मौका? अभिषेक-गिल ओपनर, पाकिस्तान के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, 12 सितंबर। एशिया कप 2025 का महामुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर, रविवार को खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है और सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम अपना पहला ग्रुप मैच जीत चुकी है। भारत ने यूएई को पहले ही मैच में 9 विकेट से हरा दिया था। वहीं एशिया कप से ठीक पहले पाकिस्तान ने यूएई में ही ट्राई सीरीज में हिस्सा लिया था और फाइनल में अफगानिस्तान को हराकर चैंपियन भी बनी थी। इस जीत के बाद पाकिस्तान की टीम का हौसला काफी बढ़ा हुआ होगा और वो भारत के खिलाफ पूरी एनर्जी के साथ मैदान पर उतरेगा।

पाकिस्तान की टीम में कुछ अच्छे खिलाड़ी मौजूद हैं जो विश्वस्तरीय हैं और अगर वो चल निकले तो भारत के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। इन खिलाड़ियों में फखर जमान, सईम अयूब, सलमान आगा, शाहीन

अफरीदी शामिल हैं। भारत को इन खिलाड़ियों के खिलाफ बेहतरीन रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा साथ ही साथ टीम इंडिया की जीत का मंत्र एक बेहतरीन प्लेइंग इलेवन भी होगा। कहा जा रहा है कि, पाकिस्तान के खिलाफ भी भारतीय टीम उसी प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है जो उसने यूएई के खिलाफ उतारी थी। क्योंकि इस टीम में बल्लेबाजी 8वें नंबर तक थी साथ ही गेंदबाजी विकल्प की भी कमी नहीं थी। अगर भारत इस टीम के साथ छेड़छाड़ करता है तो टीम को 7 बल्लेबाजों के साथ उतरना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ भारत को दुबई में ही मैच खेलना है जहां यूएई के खिलाफ खेला था। ऐसे में कंडीशन और पिच को देखते हुए भारत शायद ही कोई बदलाव अपनी प्लेइंग इलेवन में करेगा। अगर अर्शदीप को टीम में लाया जाता है तो किसी एक खिलाड़ी को बाहर होना होगा। कुलदीप को लेकर संजय मांजरेकर ने कहा था कि उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ बाहर किया जा सकता है लेकिन जिस तरह से उन्होंने यूएई के खिलाफ गेंदबाजी की इसकी संभावना कम लगती है।

पाक के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग 11

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव/अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

उमर गुल ने पीसीबी को घेरा, बुमराह को लेकर बीसीसीआई की तारीफ की

नई दिल्ली, 12 सितंबर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल ने भारतीय क्रिकेट टीम के थिंक टैंक की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसी प्रतिभा को संभालने के तरीके की बीसीसीआई की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने इस बारे में भी बात की कि, पाकिस्तान क्रिकेट संस्कृति ऐसी रोटेशन नीति क्यों नहीं अपनाती, जैसा भारत करता है। रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप मुकाबले से पहले गुल से भारत की रोटेशन नीति और बुमराह के करियर की क्षमता को अधिकतम करने के लिए कैसे संभाला गया, इस बारे में पूछा गया। गुल से खासतौर पर कार्यभार प्रबंधन के बारे में पूछा गया और ये भी कि, कैसे कभी-कभी जब खिलाड़ी खासकर गेंदबाज चोटिल हो जाते हैं तो उनकी पेस कुछ किलोमीटर कम रह जाती है लेकिन बुमराह फिर भी पहले जैसी गति बनाए

रखने में कामयाब रहे। इस पर गुल ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट क व्यवस्था ऐसी है कि इससे स्थापित खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है, जिसके कारण उन्हें पूरी तरह से फिट न होने पर भी मैच खेलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उमर गुल ने पीटीवी के एक टॉक शो गेम ऑन है में कहा कि, दुर्भाग्य से हमारी व्यवस्था में हमारी संस्कृति में समस्या ये है कि जब हम खेलते थे, तो कोई भी सीनियर खिलाड़ी हिचकिचाता था। अगर वह 70-80 प्रतिशत भी फिट होता तो वह कहता मैं खेलना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अगर कोई दूसरा खिलाड़ी आता है और अच्छा प्रदर्शन करता है तो रोटेशन नीति हमारी संस्कृति में नहीं है। उमर गुल ने आगे कहा कि, हम केवल प्रदर्शन देखते हैं। नए खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया है इसलिए उसे टीम में लाएं और उसे खेलने दें। इसलिए मुझे लगता है कि ये विश्वास विकसित होना चाहिए और रोटेशन नीति होनी चाहिए। आपकी प्राथमिकता सीनियर खिलाड़ी होना चाहिए, जब वह फिट हो जाए तो आपको उसे खिलाना चाहिए। उमर गुल ने भारतीय प्रणाली की तारीफ भी की। भारतीय प्रणाली अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों को मुश्किल चोटों से निपटने के लिए सुव्यवस्थित है। उमर गुल ने कहा कि, खिलाड़ियों की भी जिम्मेदारी होती है प्रबंधन की भी यहां तक कि आपके ट्रेनर और आपके मेडिकल स्टाफ की भी। दोनों पक्षों की जिम्मेदारी होती है।

एशिया कप में भारत-पाक में से किसका पलड़ा भारी? दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 12 सितंबर। एशिया कप 2025 के सबसे बड़े मुकाबले में से एक भारत-पाकिस्तान की टक्कर 14 सितंबर, रविवार को दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में होगी। इस मैच का इंतजार दुनियाभर के लाखों लोगों को है। वहीं इस मुकाबले में किसका पलड़ा भारी है।

भारत और पाकिस्तान हेड टू हेड रिकॉर्ड : भारत और पाकिस्तान के बीच अबतक कुल 13टी20 मैच हुए हैं, जिसमें से 9 मुकाबले भारत जीता और 3 में पाकिस्तान को जीत मिली। पाकिस्तान ने भारत के खिलाप आखिरी टी20 मुकाबला एशिया कप में ही जीता था। साल 2022 में हुए मैच में भारत को उसने 5 विकेट से हराया था। लेकिन उसके बाद हुए दो मुकाबलों में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को मात दी। एशिया कप के वनडे फॉर्मेट की बात करें तो दोनों टीमों के बीच कुल 15 मैच हुए, 5 पाकिस्तान जीता और 8 मुकाबले भारत ने जीते, 2 मैच बेनतीजा हे। आपको बता दें कि, वनडे फॉर्मेट में एशिया कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान को आखिरी जीत साल 2014 में मिली थी। वहीं वर्तमान की बात करें तो भारत की टीम पाकिस्तान पर काफी ज्यादा भारी है। भारत दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम है। दुनिया के टॉप 2 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा एशिया कप में खेल रहे हैं।

पाकिस्तान भारत की चुनौती के लिए तैयार है : माइक हेसन

दुबई, 12 सितम्बर। क्रिकेट में, भारत बनाम पाकिस्तान से बड़ा कोई मुकाबला नहीं है। कोई भी मुकाबला ज्यादा लोगों का ध्यान आकर्षित नहीं करता, कोई भी ज्यादा चर्चा पैदा नहीं करता और कोई भी ज्यादा गहरी भावनाओं को नहीं जगाता। इसलिए ओमान के खिलाफ एशिया कप के अपने पहले मुकाबले की पूर्व संध्या पर, यह स्वाभाविक ही था कि प्रचलित चर्चा उनके आगामी मैच के बारे में नहीं, बल्कि उसके बाद होने वाले मैच के बारे में थी। वास्तव में, यह बात तब स्पष्ट हो गई जब पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने पाकिस्तान के पहले मैच से पूर्व मीडिया को संबोधित किया।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मौजूदा विश्व चैंपियन और नंबर 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम भारत, जीत की प्रबल दावेदार है, लेकिन हेसन ने आगे की चुनौती को स्वीकार किया और कहा कि उनकी टीम इसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "हम जानते हैं कि भारत अपने प्रदर्शन को देखते हुए बेहद आत्मविश्वास से भरा हुआ है, और यह सही भी है।

हम एक टीम के रूप में दिन-ब-दिन बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, और खुद से बहुत आगे नहीं बढ़ना चाहते, लेकिन हम अच्छी तरह जानते हैं... मैं काम की विशालता नहीं, बल्कि आगे आने वाले काम की चुनौती के बारे में कहूंगा, और हम निश्चित रूप से इसके लिए उत्सुक हैं।"

हेसन अपनी टीम के गेंदबाजी क्रम को लेकर काफी उत्साहित थे और उन्होंने खास तौर पर मोहम्मद नवाज की भूमिका पर ज़ोर दिया, जिन्हें उन्होंने इस समय दुनिया का सर्वश्रेष्ठ स्पिन गेंदबाज करार दिया। पिछले साल हुए टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तानी टीम में नजरअंदाज़ किए जाने के बाद, नवाज ने हाल ही में पाकिस्तान की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शानदार वापसी की है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ हैट्रिक सहित पांच विकेट लिए हैं।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि हमारी टीम की सबसे ख़ास बात यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं। हमारे पास मोहम्मद नवाज हैं, जो इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिन गेंदबाज हैं, और पिछले छह महीनों से जब से उनकी टीम में वापसी हुई है, उनकी रैंकिंग इसी स्तर पर रही है।

और ज़ाहिर है कि अबरार अहमद और सूफ़ियान मुकीम ने भी उतना ही अच्छा प्रदर्शन किया है जितना उन्होंने किया है। सैम अयूब अब दुनिया के शीर्ष दस ऑलराउंडरों में शामिल हैं। तो ज़ाहिर है कि यह उनके गेंदबाजी में बेहतर प्रदर्शन का नतीजा है। और सलमान अली आगा ने शायद ही कभी गेंदबाजी की है, और वह ज़ाहिर तौर पर पाकिस्तान के लिए टेस्ट स्पिनर हैं।"

हालांकि, हेसन अपनी बल्लेबाजी इकाई को लेकर उतने आश्वस्त नहीं थे, और उन्होंने स्वीकार किया कि यह बदलाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा, "यह एक विकासशील बल्लेबाजी क्रम है। और कई खिलाड़ी ऐसे हैं।

विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में दो पदकों के साथ भारत का अभियान हुआ समाप्त

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), 12 सितंबर। विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में शुक्रवार को भारत की गाथा खडके रिकर्व के प्री क्वार्टर फाइनल में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया की लिम सी-ह्योन से हार गई।

इसी के साथ टूर्नामेंट में भारत का अभियान दो पदकों के साथ समाप्त हो गया। भारत ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता। 15 वर्षीय किशोरी गाथा खडके का रिकर्व के प्री-क्वार्टर फाइनल में विश्व की नंबर वन और तीन बार की ओलंपिक चैंपियन घरेलू पसंदीदा लिम सी-ह्योन से 6-0 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप में यह तीसरी बार है जब भारत रिकर्व में पदक नहीं जीत पाया। रिकर्व में तीरंदाजी का आखिरी पदक 2019 में आया था जब तरुणदीप राय, अतनु दास और प्रवीण जाधव की पुरुष टीम डेन बॉश में फाइनल में पहुंची थी। विश्व चैंपियनशिप में छठी बार खेल रही चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी कल महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी के तीसरे दौर में इंडोनेशिया की दियानंदा चोइरुनिसा से 6-4 से हार गईं। वह क्वालीफाइंग दौर में छठे स्थान पर रही थीं।

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा लक्ष्य सेमीफाइनल में

हांगकांग, 12 सितम्बर। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी तथा लक्ष्य सेन ली-निंग हांगकांग ओपन 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप के खिलाफ पहला गेम 21-14 से जीता, लेकिन दूसरे गेम में 20-22 से मामूली अंतर से हार गए। उन्होंने निर्णायक गेम में वापसी करते हुए 21-16 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। अब भारतीय जोड़ी का सामना चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई से होगा। इस बीच पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने हमवतन आयुष शेट्टी को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

राजधानी

राजस्थान में 9763 नये आवासों को केन्द्र सरकार की मंजूरी मिली

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत मिली है स्वीकृति

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबको पक्का मकान उपलब्ध कराने के विजन को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार ने 9 हजार 763 नये आवासों को केंद्र सरकार से स्वीकृति के लिए मंजूरी प्रदान की है। इससे प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत राजस्थान को आज बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है।

मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को सम्पन्न हुई राज्य स्तरीय सैंक्शनिंग एवं मॉनिटरिंग कमेटी (एसएलएसएमसी) की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

इन आवासों के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी को कुल 2.50 लाख रुपए का अनुदान मिलेगा, जिसमें 1.50 लाख रुपए केन्द्र सरकार और एक लाख रुपए राज्य सरकार की ओर से प्रदान किया जायेगा। इस निर्णय से कुल 244.07 करोड़ रुपए की सब्सिडी पात्र परिवारों को उपलब्ध होगी।

मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को राज्य स्तरीय सैंक्शनिंग एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक हुई।

- **इन आवासों के लिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी को कुल 2.50 लाख रुपए का अनुदान मिलेगा, जिसमें 1.50 लाख रुपए केन्द्र सरकार और 1 लाख रुपए राज्य सरकार देगी**

इन आवासों की अंतिम स्वीकृति केन्द्र सरकार की 17 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली सीएसएमसी की बैठक में प्रदान की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में किये जा रहे प्रयास न केवल शहरी गरीबों के जीवन स्तर में सुधार लाएंगे बल्कि उन्हें गरिमामय जीवन जीने का अवसर भी प्रदान करेंगे।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा विभाग अजिताभ शर्मा, प्रमुख शासन सचिव राजस्व विभाग दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास विभाग डॉ. देबाशीष पृष्टि, शासन सचिव वित्त (व्यय) विभाग नवीन जैन, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आर्मी से रिटायर्ड जवान ने दुनाली बंदूक से की आत्महत्या

मृतक एक निजी कंपनी में गार्ड पर कार्यरत था, पुलिस और एफ.एस.एल. टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए

जयपुर। सोडाला थाना इलाके में आर्मी से रिटायर्ड जवान ने लाइसेंसी बंदूक से पेट में गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

जो एक निजी कंपनी में गार्ड पर कार्यरत था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल स्थाल साक्ष्य जुटाए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में किसी तरह का सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पडताल में जुटी है।

थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि थाना इलाके के हटवाड़ा के लक्ष्मीनगर निवासी भुवनेश जाट (40) आत्महत्या की है,जो मूलत: हिंडौन के बड़खेड़ा के रहने वाले था। भुवनेश जाट आर्मी से रिटायर हुए थे और पत्नी और बेटे के साथ लक्ष्मीनगर में किराए के मकान में कुछ दिन पहले ही रहने आए थे। भुवनेश जाट सी-स्कीम स्थित गोल्ड कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था।

थानाधिकारी ने बताया कि भुवनेश जाट की पत्नी शुक्रवार सुबह किसी काम से बाहर गई थी और उसका बेटा कंप्यूटर क्लास में गया था। इस दौरान भुवनेश जाट घर पर अकेले था।

जिन्होंने कमरा अंदर से बंद कर लिया। खुद की लाइसेंसी बंदूक से पेट में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बंद कमरे से अचानक धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

पड़ोसियों ने कमरे के अंदर जाकर देखने की कोशिश की। लेकिन कमरे के आगे-पीछे के दोनों गेट बंद मिले।

कुछ ही देर में उनकी पत्नी और बेटा भी घर आ गए। अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने धक्का देकर गेट खोला। जहां भुवनेश का शव जमीन पर पड़ा हुआ था और उसके पेट में गोली लगी हुई थी। उसकी लाइसेंसी बंदूक पास ही बेड पर पड़ी थी। पुलिस ने तुरंत एफएसएल टीम को बुलाकर मौके से सबूत जुटाए।

पुलिस की प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि भुवनेश ने बिस्तर पर एक पैर रखकर अपनी लाइसेंसी बंदूक को पेट पर लगाया।

बंदूक का ट्रिगर दबाते ही गोली पेट में लगने से वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने सबूत जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया है।

पुलिस के अनुसार किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर गांव-गांव में पहुंचेगी सरकारी सेवाएं

राजस्थान में 17 सितंबर से शुरू होगा "ग्रामीण सेवा शिविर" अभियान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण जनता को राहत पहुंचाने और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे गांवों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 17 सितंबर से प्रदेशभर में 'ग्रामीण सेवा शिविर' अभियान शुरू करने जा रही है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में चरणबद्ध रूप से शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आमजन के कार्य मौके पर ही निस्तारित किए जाएंगे। यह विशेष अभियान सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा। अभियान के पहले सप्ताह में बुधवार को भी शिविर लगाए जाएंगे। प्रत्येक पंचायत समिति क्षेत्र की दो ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन शिविर होंगे और तब तक जारी रहेंगे जब तक उस क्षेत्र की सभी पंचायतों को शामिल नहीं कर लिया जाता।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अभियान को राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को जनता के और करीब लाने वाला कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीणों को अपने जरूरी कामों के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें सरकारी सेवाएं उनके गांव में ही उपलब्ध होंगी। राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि शिविरों के आयोजन, निगरानी और समन्वय की जिम्मेदारी जिला कलक्टरों को सौंपी गई है। प्रत्येक शिविर के लिए प्रभारी और सहायक प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी, और संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इन शिविरों में राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक न्याय, कृषि, पशुपालन, बिजली, पंचायत राज आदि विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। प्रमुख कार्यों में नामांतरण, सीमांकन, रास्ते खोलने, जाति और मूल निवास प्रमाण पत्र जारी करना, आधार कार्ड से जुड़ी सेवाएं, पशु स्वास्थ्य शिविर, स्कूलों की मरम्मत हेतु स्वीकृति, किसान रजिस्ट्री से जुड़े लंबित मामलों का निस्तारण, बीज मिनी किट वितरण, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, बिजली सुधार कार्य, जनहानि, पशुहानि एवं मकान क्षित के प्रकरणों की जांच और स्वीकृति शामिल हैं। इसके साथ ही 2 अक्टूबर से शुरू होने वाले सहकार सदस्यता अभियान को भी ग्रामीण सेवा शिविरों के साथ जोड़ा जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत सहकारी समितियों में सदस्यता बढ़ाने और सहकारिता के माध्यम से गांवों को आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया जाएगा। सरकार की मंशा है कि जो भी ग्रामीण इन शिविरों में आए, उनका कार्य प्राथमिकता से उसी दिन पूरा किया जाए। यदि किसी कारणवश कोई कार्य उसी दिन संभव न हो, तो उसकी विभागवार सूची बनाकर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

पशुपालन विभाग के 231 अधिकारी पदोन्नत

जयपुर । पशुपालन विभाग के राजस्थान राज्य पशुपालन सेवा संवर्ग के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, उप निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा अतिरिक्त निदेशक तथा निदेशक स्तर के विभिन्न संवर्गों के कुल 231 पदों के लिए शुक्रवार को शासन सचिवालय में पदोन्नित समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अयूब खान ने की। बैठक में शासन उप सचिव संतोष करोल, दिनेश कुमार शर्मा, संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक विभाग एवं पशुपालन विभाग के कार्यकारी निदेशक डॉ आनंद सेजऱा भी उपस्थित थे।

बैठक में विभाग के निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के दोनों पदों तथा अतिरिक्त निदेशक पद पर नौ अधिकारियों को पदोन्नत किया गया। इनके अलावा सामान्य तथा विशिष्ट अनुभाग के 51 अधिकारियों को संयुक्त निदेशक के पद पर पदोन्नित दी गई।

राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के 10 हजार पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 13 और 14 सितम्बर को आयोजित की जाएगी। शुक्रवार देर शाम को जयपुर जंक्शन और सिंधी कैंप बस स्टैण्ड के आस-पास हजारों युवाओं की भीड़ उमड़ पडी, कुछ युवाओं ने रात में यहीं पर शरण ली।